



Digital India: Transforming the Nation through Technology



SHINE SARPAL

as the BharatNet project, which aims to connect all 250,000 Gram Panchayats with high-speed internet, have been instrumental in achieving this goal. By enhancing connectivity, Digital India seeks to ensure that no citizen is left behind in the digital revolution.

The second pillar of Digital India focuses on transforming governance through technology. The initiative promotes the use of digital platforms to deliver government services efficiently and transparently. Programs such as the Digital Locker system, which allows citizens to store and share important documents online, and the e-District initiative, which enables online application and delivery of various government services, exemplify the government's commitment to making services more accessible.

Moreover, the introduction of the Common Service Centers (CSCs) in rural areas has empowered citizens by providing access to a variety of government services, from applying for certificates to accessing financial services. This shift towards governance not only streamlines processes but also reduces corruption and enhances accountability in service delivery.

Digital empowerment is the



third pillar of the Digital India initiative. By promoting digital literacy, the government aims to equip citizens with the skills necessary to navigate the digital landscape. Various programs, such as the National Digital Literacy Mission (NDLM), have been launched to educate individuals, especially in rural areas, on using technology effectively.

Empowering citizens digitally also means promoting entrepreneurship and innovation. The Digital India initiative encourages startups and small businesses to leverage technology to enhance their operations and reach wider markets. Government schemes like

Startup India and Make in India aim to create an ecosystem that fosters innovation and attracts investment in the digital sector.

While the Digital India initiative has made significant strides, it also faces challenges that need to be addressed. Issues such as cybersecurity, digital literacy gaps, and the need for infrastructure development in remote areas pose hurdles to achieving a fully digital society. Ensuring the security of digital transactions and personal data is paramount, as the increasing reliance on technology exposes citizens to cyber threats.

To overcome these challenges, a collaborative approach involving government, private sector, and civil society is essential. Continuous investment in infrastructure, regular updates to policies, and increased focus on cybersecurity will be crucial in sustaining the momentum of Digital India.

Digital India seeks to create a digitally empowered nation by improving connectivity, strengthening digital services, and promoting inclusive, technology-driven growth for all citizens.

In recent years, the term "Digital India" has become synonymous with the nation's ambitious vision to empower citizens and transform the country into a digitally connected society. Launched in 2015 by Prime Minister Narendra Modi, the Digital India initiative aims to enhance online infrastructure, promote digital literacy, and ensure the availability of government services via digital platforms. This initiative has revolutionized the way Indians interact with technology and access essential services, significantly contributing to the country's socio-economic development.

Digital India is built on three core pillars: digital infrastructure as a utility, governance and services on demand, and digital empowerment of citizens. By focusing on these pillars, the initiative seeks to create a comprehensive digital ecosystem that can support the needs of a rapidly changing society.

The first pillar, digital infrastructure, aims to provide every citizen with access to the internet and digital services. The expansion of broadband connectivity, especially in rural and remote areas, is crucial in bridging the digital divide. Initiatives such



सोशल मीडिया और उद्यमिता



डॉ. दिलीप कुमार

एसोसिएट प्रोफेसर, IIMC जम्मू

सोशल मीडिया के उदय ने इस बात में बदलाव किया है कि उद्यमी अपनी दैनिक-प्रतिदिन की गतिविधियों को किस प्रकार पूरा करते हैं। सोशल मीडिया और उद्यमिता पर अध्ययन अपेक्षाकृत नए हैं। हालांकि इस क्षेत्र में आगे के शोध और जांच के लिए शक्तिशाली और चिकित्सकीय रूचि बढ़ रही है। यह अध्ययन सोशल मीडिया और उद्यमिता के क्षेत्र में किए गए शोध की व्यवस्थित रूप से समीक्षा करता है।

कापलान और हेनलेन (2010, पृष्ठ 61) द्वारा परिभाषित सोशल मीडिया (एसएम) "इंटरनेट आधारित अनुप्रयोगों का एक समूह है जो वेब 2.0 की वैचारिक और तकनीकी नींव पर निर्माण करता है और उपयोगकर्ता-जनित सामग्री के निर्माण और वितरण की अनुमति देता है।" एसएम ने लोगों के आपस में बातचीत करने के तरीके को बदल दिया है। एसएम कार्यात्मकताओं का फायदा उठाकर, उद्यमी इसका उपयोग अपनी व्यावसायिक गतिविधियों के प्रबंधन में कर रहे हैं, जैसे मार्केटिंग (अलालवान, राणा, द्विविदी और अलपराबत, 2017; मसिलसि और व्लाचोपोलू, 2018)। जैसा कि लिस्टर (2018) द्वारा रिपोर्ट किया गया है, 50 मिलियन से अधिक व्यवसाय फेसबुक व्यापार पेजों का उपयोग करते हैं, जिनमें 2 मिलियन वह भी शामिल है जो इसे प्रत्यक्ष वित्तियोग के लिए उपयोग करते हैं। इसी तरह की प्रवृत्ति इंस्टाग्राम जैसे अन्य प्रमुख सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म में देखी जा सकती है, जहां आधे उपयोगकर्ता एक व्यावसायिक पेज (पिकारड व्हाइटहेड, 2018) का अनुसरण करते हैं। उद्यमी कई कारणों से सोशल मीडिया का उपयोग करते हैं जो उनकी व्यावसायिक गतिविधियों के लिए महत्वपूर्ण हैं। सोशल मीडिया का खुलापन और संपर्क विशेषज्ञों की सलाह की पहचान करने और उस तक पहुंचने में उद्यमियों की अक्षमता या कठिनाई को दूर करता है (कुड, गैलोवे, और कोलनिस-वलियिम्स, 2016; नाइलेडर और रुडस्ट्रॉम, 2011)। यह उद्यमशीलता के शुरूआती चरणों में विशेष रूप से महत्वपूर्ण है जहां एक व्यवसाय स्थापित करने और चलाने के बारे में जानकारी और समर्थन की आवश्यकता होती है जो इसके अस्तित्व के लिए आवश्यक है। इसके अलावा, उद्यमी मुख्य रूप से अपने उत्पाद और सेवाओं के विपणन के लिए सोशल मीडिया का उपयोग करते हैं। सह-उद्यमियों के साथ बातचीत करने और नेटवर्क बनाने की क्षमता एक अन्य महत्वपूर्ण कारक है। काफी हद तक, एसएम ने उद्यमियों को समान हर्ति (जैसे क्वटिन एंड वलिसन, 2016) के आधार पर संबंध जोड़ने और स्थापित करने की अनुमति दी है, जो सह-निर्माण और नवाचार को चलाने वाली साझेदारी की अनुमति देता है (-

राठौर, इलावरसन, और द्विविदी, 2016), इन प्लेटफॉर्मों का उपयोग उनके दृढ़ प्रदर्शन को बेहतर बनाने के लिए दिखाया गया है (अलाफोर- डेल-एमो, रयिलप-करियाडो, और रयिलप करियाडो, 2018, फ्रेंको, हासे, और परेरा, 2016; ताजवर्दी और करामी, 2017) जो कि उच्चमी के व्यवसाय की वृद्धि के लिये आवश्यक है।

उद्यमियों के लिए सोशल मीडिया के महत्व और इससे मिलने वाले लाभों के कारण, इसने सूचना प्रणाली और प्रबंधन सहित विविध अनुशासन क्षेत्रों से ध्यान आकर्षित किया है। यह वद्वानों के लेखों की बढ़ती संख्या से प्रदर्शित होता है जो वार्षिक रूप से प्रकाशित हो रहे हैं। सोशल मीडिया और उद्यमिता से संबंधित साहित्य की एक व्यवस्थित समीक्षा डोमेन में अनुसंधान को सूचित कर सकती है। जबकि सोशल मीडिया पर जो पछिले समीक्षा पत्र रहे हैं, वे सीधे उद्यमिता से जुड़े नहीं हैं। इसके बजाय, वे पेपर सर्व-समावेशी (यानी सामान्य) (जैसे कपूर एट अल, 2017; नगाई, ताओ, और मून, 2015) या मार्केटिंग जैसे किसी विशेष डोमेन के लिए वशिष्ट होते हैं (जैसे अललवान एट अल, 2017: द्विविदी, कपूर और चैन, 2015; मसिलसि और व्लाचोपोलू, 2018), नवाचार और सह-निर्माण (जैसे भिमिनी और अनय, 2018, राठौर और अनय। यद्यपि साहित्य बताता है कि उद्यमी सक्रिय रूप से एसएम का उपयोग करते हैं, कोई व्यवस्थित समीक्षा एसएम और उद्यमिता अनुसंधान की स्थिति को प्रस्तुत नहीं करती है। इस तरह का अध्ययन यह समझने के लिए आवश्यक है कि जमीनी उद्यमिता और एसएम अनुसंधान ने कितना कवर किया था और हमारे ज्ञान को आगे ले जाने के लिए क्या किया जाना चाहिए। इस बीच, फिलो, लॉक और कारग (2015) एसएम शोध में सैद्धांतिक ढांचे में नरिंतरता की कमी पर चर्चा व्यक्त करते हैं। इसलिए, मौजूदा एसएम और उद्यमिता अध्ययनों के आधार पर, यह अध्ययन एक एकीकृत अनुसंधान मॉडल विकसित करेगा जो उद्यमियों द्वारा एसएम उपयोग के पूर्ववर्ती और परिणामों की व्याख्या करता है। दूसरे शब्दों में, मॉडल बताता है कि उद्यमी सोशल मीडिया का उपयोग करने के लिए क्या प्रेरित करते हैं और इस तरह के उपयोग का क्या प्रभाव पड़ता है।

विकास के लिए सोशल मीडिया को अपनाने के



कारण :

सोशल मीडिया युवा उद्यमियों को वैश्विक स्तर पर अपना व्यवसाय बढ़ाने में मदद कर सकता है। अपने विचारों और ब्रांडों को सटीक और प्रभावी ढंग से व्यक्त करने से न केवल भौतिक संबंध बनाने में मदद मिलती है, बल्कि संभावित निवेशकों, प्रमुख भागीदारों, कर्मचारियों और उपभोक्ताओं के साथ आभासी संबंध भी बनते हैं। सोशल मीडिया सोशल मीडिया प्रोफाइल के विश्लेषण के माध्यम से ग्राहकों की इच्छाओं को जानने का अवसर देता है और उद्यमियों के लिए अपने संभावित उपभोक्ताओं को अपने ग्राहकों की जरूरतों को समझकर रखने के लिए भी आसान बनाता है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के माध्यम से ग्राहकों से जुड़कर उद्यमियों को ग्राहक संबंध और ग्राहक वफादारी बनाए रखने का अवसर मिलता है। ग्राहकों के साथ बार-बार जुड़ना और उनके साथ मजबूत संबंध बनाना शुरू करना आवश्यक है। एक ग्राहक हमेशा एक सेवा चैनल की तलाश में रहता है जहां वे आसानी से व्यवसाय से जुड़ सकें। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म की मदद से, व्यवसाय

की समग्र ब्रांड छवि को बढ़ावा देने के लिए स्टार्टअप के लिए आवाज बनाना महत्वपूर्ण है। एक व्यवसाय या ब्रांड जो अपने ग्राहक को महत्व देता है और उसका सम्मान करता है, एक अनुकूलित संदेश लिखने में समय लेता है जो ग्राहक के दमिग में सकारात्मक संदेश छोड़ देता है। इसमें कोई शक नहीं, सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म युवा लोगों के लिए अपना व्यवसाय शुरू करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

उद्यमिता में सोशल मीडिया की कमियां :

सरकार में पारदर्शिता का अभाव सोशल मीडिया उद्योग से जुड़े नियम, वनियम और कानूनी बुनियादी ढांचे को व्यवसाय में सोशल मीडिया की सबसे बड़ी कमियों में से एक माना जाता है। इसके अलावा, गोपनीयता, कॉपीराइट और बौद्धिक संपदा की सुरक्षा के लिए एक उपयुक्त सहायक नियामक ढांचे की कमी के कारण सूचना के प्रवाह पर नकारात्मक प्रभाव डालने के लिए सोशल मीडिया की हमेशा आलोचना की जाती है।





DEEPIKA PANCHAL

For many students, managing money is a new and challenging responsibility. Limited income, rising expenses, and lack of financial awareness often lead to poor money habits. Yet, learning personal finance early can make a significant difference in long-term financial stability. Understanding the basics of saving, spending, and investing helps students build confidence and independence while preparing for a secure future.

Saving is the foundation of personal finance. Even with a small allowance or part-time income, students should develop the habit of saving regularly. Saving does not mean depriving oneself, but setting aside a portion of income for future needs and emergencies. A simple rule such as saving 10–20 percent of monthly income can create financial discipline. Having an emergency fund, even a modest one, protects students from unexpected expenses and reduces dependence on others.



Personal Finance for Students: Saving, Spending & Investing Basics

Smart spending is equally important. Many students struggle with impulsive purchases, especially with the ease of online shopping and digital payments. Differentiating between needs and wants is the first step toward responsible spending. Budgeting helps track income and expenses, ensuring money is spent consciously. Simple tools like expense-tracking apps or a basic monthly budget can help students avoid overspending and debt. Being

mindful of lifestyle inflation—spending more just to match peers—can prevent financial stress.

While saving and spending address present needs, investing focuses on the future. Students often believe investing requires large amounts of money, but this is a misconception. With small amounts, students can begin investing through options like recurring deposits, mutual fund systematic investment

plans (SIPs), or government-backed savings schemes. Starting early allows students to benefit from the power of compounding, where money grows over time by earning returns on both the initial amount and accumulated gains.

Financial literacy also includes understanding basic concepts such as interest, inflation, risk, and return. Avoiding unnecessary loans and credit card misuse is crucial, as debt can quickly become a burden. If credit is used, it should be done responsibly and with full awareness of repayment obligations.

Parents and educational institutions play an important role in guiding students toward healthy financial habits. Introducing basic financial education in colleges can empower students to make informed decisions and avoid common financial mistakes.

In conclusion, personal finance is not just about money—it is about freedom, security, and responsibility. By learning the basics of saving, spending wisely, and investing early, students can lay a strong foundation for financial well-being. Small, consistent steps taken today can lead to stability and confidence tomorrow.





PRAGYANSH TIWARY

The Future of 5G Technology in India

stands to gain from 5G's enhanced capabilities. Services such as smart cities, IoT (Internet of Things) devices, and AI-driven applications will be able to function more efficiently, creating new business opportunities and improving the quality of life for millions.

Key Sectors Poised for Transformation

1. Healthcare: 5G can revolutionize healthcare by enabling telemedicine and remote surgeries. With high-speed internet and ultra-low latency, doctors in urban areas could perform surgeries on patients in rural India using robotic arms and precision tools.

2. Agriculture: India's vast agricultural sector can benefit from 5G through smart farming solutions. 5G-enabled drones and sensors can monitor crop health, predict weather patterns, and optimize irrigation systems, helping farmers make more informed decisions and increase productivity.

3. Education: Online education will reach new heights with 5G, as virtual classrooms and augmented reality (AR) tools will become more accessible. Students from remote areas will be able to experience immersive

learning in real-time, leveling the playing field for those with limited access to quality education.

4. Entertainment and Media: The entertainment industry will also see significant shifts, as 5G will enhance the experience of streaming high-definition content and enable virtual and augmented reality experiences. The gaming industry, in particular, is set to benefit from cloud gaming services that eliminate the need for expensive hardware.

Challenges to 5G Implementation

Despite its potential, the rollout of 5G in India faces several hurdles. The first challenge is infrastructure. 5G requires a vast network of towers and fiber optics to deliver its high-speed service, and India's current telecom infrastructure will need significant upgrades.

Another challenge is the high cost of spectrum licenses. Telecom companies in India have voiced concerns about the high prices for 5G spectrum auctions, which could slow down the adoption process. Additionally, the cost of 5G-compatible devices might initially limit access to wealthier urban consumers,

delaying widespread adoption in rural areas.

The Road Ahead

Despite these challenges, the Indian government is actively working toward making 5G a reality. With the launch of pilot projects in select cities and ongoing collaboration with telecom companies, India is expected to see the commercial rollout of 5G services in the near future. The government's focus on initiatives like Make in India and Atmanirbhar Bharat will also play a key role in promoting domestic manufacturing of 5G equipment and devices, further accelerating the technology's adoption.

Conclusion

The future of 5G technology in India is bright, with the potential to bring about transformative changes across multiple sectors. While the path to widespread implementation may face challenges, the benefits of 5G—faster connectivity, smarter cities, enhanced healthcare, and educational equity—are too significant to ignore. New era of digital communication, 5G will be India's vision of becoming a global technology leader.

The advent of 5G technology marks a transformative moment in India's digital journey. As the country gears up to implement 5G, this next-generation network promises to unlock new opportunities across sectors, from telecommunications to healthcare, agriculture, and beyond. With faster internet speeds, lower latency, and increased connectivity, 5G is poised to revolutionize the way Indians live, work, and communicate. However, the rollout of 5G also presents challenges that must be addressed to fully harness its potential.

The Promise of 5G in India

5G technology offers significant advancements over its predecessor, 4G. With speeds up to 100 times faster and latency reduced to mere milliseconds, 5G will enable real-time communication at unprecedented levels. This will greatly benefit industries that rely on precision and speed, such as telemedicine, autonomous vehicles, and manufacturing.

For India, a country with a rapidly growing digital economy, 5G offers immense potential. The Digital India initiative, aimed at transforming India into a knowledge-driven economy,

RNI No.: DEL/BIL/2004/14598

Publisher: Ram Kailash Gupta

on behalf of Tecnia Institute of Advanced Studies, 3 PSP, Madhuban Chowk, Rohini, Delhi-85; **Printer:** Ramesh Chander Dogra; **Printed at:** Dogra Printing Press, 17/69, Jhan Singh Nagar, Anand Parbat, New Delhi-5

Editor: Amit Sharma

responsible for selection of News under PRB Act. All rights reserved.

Email:

youngster@tecnia.in

